भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2990
18 मार्च, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: किन्नू उत्पादकों को प्रोत्साहित किया जाना

2990. श्री कुलदीप इंदौरा:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने किन्नू उत्पादकों को देश में किन्नू की गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ाने के लिए नई तकनीकें अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु कोई उपाय किए हैं;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में अब तक किए गए अनुसंधान का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार की राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में किन्नू उत्पादकों को आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान करने की कोई योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) और (ख): किन्नू, भारत में विशेष रूप से पंजाब, राजस्थान और हरियाणा में उगाया जाने वाला एक उच्च उपज वाला नींबू वर्गीय फल है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू), लुधियाना (पंजाब) ने पीएयू किन्नू-1 जैसी उन्नत किस्मों के रिलीज के साथ-साथ रोगों और लवणता सहिष्णुता के लिए रूट स्टॉक ब्रीडिंग के माध्यम से देश में किन्नू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न तकनीकों का विकास किया है। इनके अलावा, कंटेनरीकृत नर्सरी उत्पादन प्रौद्योगिकी के मानकीकरण, बड फोर्सिंग तकनीक, उच्च घनत्व रोपण, पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों का मानकीकरण, शेल्फ लाइफ में वृद्धि, एकीकृत रोग और कीट प्रबंधन और फ्रूट फ्लाई ट्रेप के विकास आदि के लिए तकनीकें विकसित की गई हैं।

श्रीगंगानगर, राजस्थान स्थित स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) - कृषि अनुसंधान केंद्र के अखिल भारतीय समन्वित साइट्रस अनुसंधान परियोजना ने राजस्थान राज्य के लिए कीट प्रबंधन अनुसूची (शिड्यूल), मिट्टी और पत्ती पोषक तत्व की स्थिति के आधार पर उर्वरक अनुसूची, जल प्रबंधन के लिए ड्रिप सिंचाई अनुसूची, खरपतवार नियंत्रण के लिए प्लास्टिक मल्चिंग (100 माइक्रोन), मृदा की नमी का संरक्षण और किन्नू मैंडरिन के लिए पद्धतियों के जैविक पैकेज को मानकीकृत किया है।

पंजाब के बागवानी विभाग ने इजरायल सरकार (भारत-इजराइल परियोजना) के सहयोग से केवल खट्टे फलों के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है जहां गुणवत्तापूर्ण खट्टे फलों के उत्पादन के लिए नई प्रौद्योगिकियों का हस्तांतरण किया गया है। इसी तरह, हरियाणा राज्य सरकार ने भी गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री, फसल प्रौद्योगिकी प्रदर्शन और प्रशिक्षण के लिए सिरसा में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है।

(ग) और (घ): कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) और राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) के माध्यम से, राजस्थान सहित देश भर में रोपण सामग्री उत्पादन, क्षेत्र विस्तार, उच्च घनत्व रोपण, फसलोपरान्त प्रबंधन, प्रशिक्षण, प्रदर्शन और जागरूकता कार्यक्रम आदि के लिए किन्नू सहित नींबू वर्गीय फलों की खेती के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-केंद्रीय साइट्रस अनुसंधान संस्थान, नागपुर के कृषि-व्यवसाय इन्क्यूबेशन केंद्र, सिट्री हब ने वर्ष 2024 में साइट्रस नर्सरी प्रबंधन और नर्सरी उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करते हुए राजस्थान में एक इन्क्यूबेशन कार्यक्रम का आयोजन किया है। इन्क्यूबेशन के दौरान, उन्हें साइट्रस नर्सरी प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहन प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है, जिसमें मदर ब्लॉकों की स्थापना और रखरखाव, पारंपरिक बडिंग विधियां, माइक्रो-बडिंग, कंटेनरीकृत नर्सरी तकनीक, नर्सरी मान्यता, विपणन कार्यनीति और व्यवसाय योजना विकास शामिल थे।

******